हरिभूमि

शौर्य भूमि

मंडला | अंजिनया | भुआबिछिया | बम्हनीबंजर | नैनपुर | निवास | बीजाडांडी

जबलपुर, बुधवार 20 मई 2026

login : www.haribhoomi.com

खबर संक्षेप

शासकीय चिकित्सालयों एवं जन औषधि केन्द्रों में रहेंगी व्यवस्थाएं उपलब्ध

मण्डला। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. डी.जे. मोहन्ती ने जानकारी दी कि 20 मई को ऑल इंडिया केमिस्ट एंड ड्रगिस्ट एसोसिएशन द्वारा प्रस्तावित हड़ताल के मद्देनजर आमजन को निरंतर स्वास्थ्य सेवाएं एवं आवश्यक औषधियां उपलब्ध कराने के लिए जिले के समस्त शासकीय चिकित्सालयों, जन औषधि केन्द्रों एवं निजी चिकित्सालयों को आवश्यक निर्देश जारी किए गए हैं। सभी संबंधित संस्थानों को 24 घंटे स्वास्थ्य सेवाएं एवं आवश्यक दवाइयों की उपलब्धता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं, ताकि मरीजों को किसी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े। यदि हड़ताल के दौरान किसी मरीज को आवश्यक दवाइयाँ प्राप्त करने में कठिनाई होती है, तो आवश्यक औषधियों की उपलब्धता सुनिश्चित कराने के लिए मंडला केमिस्ट एंड ड्रगिस्ट एसोसिएशन द्वारा उपलब्ध कराए गए आपातकालीन संपर्क नंबर सुनील कुमार पांडे 9165931011, विपिन बजाज 8770775338, मुकेश मौर्य 7987859757, विजय बहादुर सिंह 9425185195 पर संपर्क किया जा सकता है। आमजन को आवश्यक दवाओं की उपलब्धता में किसी प्रकार की समस्या न हो, इसके लिए स्वास्थ्य विभाग एवं संबंधित संस्थाओं के साथ समन्वय स्थापित कर आवश्यक व्यवस्था सुनिश्चित की गई है।

20 मई मेडिकल बंद का विरोध-स्वास्थ्य सेवाएं रोकना अनुच्छेद 21 का उल्लंघन

दवा दुकान बंद पर विवाद, कलेक्टर को सौंपा ज्ञापन

*** आपातकालीन स्वास्थ्य सेवाओं पर असर की आशंका।**

हरिभूमि न्यूज ⏭ मण्डला

दवा दुकान जिनके प्रति एक सम्मान का भाव रहता आया है क्योंकि इन्हीं दवाओं के दम पर ही हम अपने परिजनों को स्वस्थ रख पाते हैं पहले इस व्यवसाय को समाज सेवा के दृष्टिकोण से लिया जाता था लेकिन बदलते समय के साथ-साथ अब यह पैसे कमाने का एक जरिया बनकर रह गया है मानवीय दृष्टिकोण को तिलांजलि देते हुए ना केवल पर अनाप शनाप मुनाफा कमाया जा रहा है बल्कि दवाओं की विश्वसनीयता पर भी कोई ध्यान नहीं दिया जा रहा अब जो 400 से 500 फ़ीसदी मुनाफा है वह ऑनलाइन व्यवसाय के कारण कम होता जा रहा है लिहाजा इन व्यवसाईयों ने इसका विरोध करना प्रारंभ कर दिया है और आज इसी विरोध को लेकर दवा दुकानों को बंद रखने का दबाव बनाया जा रहा है हालांकि कुछ दवा व्यवसायी इसके पक्ष में नहीं है लिहाजा वे मानवीय दृष्टिकोण के मद्दे नजर अपनी दुकान खुली रखने के पक्ष में है लेकिन संगठन और अन्य दवा व्यापारियों के दबाव के कारण स्पष्ट रूप से सामने नहीं आ पा रहे।

ऑल इंडिया ऑर्गनाइजेशन ऑफ केमिस्ट्स एंड ड्रगिस्ट्स (AIOCD) एवं मध्यप्रदेश केमिस्ट्स एंड ड्रगिस्ट्स एसोसिएशन द्वारा 20 मई 2026 को दवा दुकानों को बंद रखने और हड़ताल करने का आह्वान किया गया है। संगठन की ओर से ऑनलाइन दवा बिक्री पर रोक, कॉर्पोरेट डिस्काउंट बंद करने तथा नकली दवाओं पर कार्रवाई जैसी मांगों को लेकर यह बंद बुलाया गया है।

कुछ फार्मासिस्ट एवं दवा व्यापारियों ने प्रस्तावित हड़ताल का किया विरोध

हालांकि मंडला जिले में कुछ दवा व्यापारियों और फार्मासिस्टों ने इस प्रस्तावित हड़ताल का विरोध किया है। उनका कहना है कि मेडिकल स्टोर एक आवश्यक सेवा है और दवा दुकानों के बंद होने से आम जनता, गंभीर मरीजों तथा आपातकालीन स्वास्थ्य सेवाओं को भारी परेशानी का सामना करना पड़ सकता है।

इसी संबंध में जिला कलेक्टर को ज्ञापन सौंपकर हड़ताल पर रोक लगाने तथा आवश्यक कानूनी कार्रवाई की मांग की गई है। ज्ञापन में कहा गया है कि कोरोना काल जैसी आपदा के समय भी दवा दुकानें बंद नहीं हुई थीं, ऐसे में मेडिकल स्टोर बंद करना जनहित के खिलाफ है।

ज्ञापन में उल्लेख किया गया है कि हृदय रोग, डायबिटीज, बीपी, अस्थमा, कैंसर सहित अन्य गंभीर बीमारियों से पीड़ित मरीजों को समय पर दवाएं नहीं मिल पाने से खतरा उत्पन्न हो सकता है। वहीं ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाएं प्रभावित होने, दवाओं की कालाबाजारी बढ़ने तथा अस्पतालों में भर्ती मरीजों को आवश्यक दवाएं उपलब्ध न होने जैसी समस्याएं भी सामने आ सकती हैं।

प्रशासन से उठाई मांग

ज्ञापन में प्रशासन से मांग की गई है कि जिले की कुछ प्रमुख दवा दुकानों को खुला रखने के निर्देश जारी किए जाएं ताकि मरीजों और आम नागरिकों को किसी प्रकार की असुविधा न हो। इसमें के.एच. फार्मेसी, विश्वकर्मा मेडिकल, हेल्थ केयर फार्मेसी, चौरसिया मेडिकल स्टोर सहित प्रधानमंत्री जन-औषधि केंद्रों को खुला रखने का सुझाव दिया गया है।

नगर के सुनियोजित विकास और व्यवस्थापन पर दिया जोर

*** कलेक्टर ने ली नगर के विकास के संबंध में समीक्षा बैठक।**

हरिभूमि न्यूज ⏭ मण्डला

कलेक्टर राहुल नामदेव धोटे की अध्यक्षता में मंगलवार को नगर के विकास के संबंध में और आगामी कार्ययोजनाओं को लेकर महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक संपन्न हुई। बैठक में नगर के सुनियोजित विकास, यातायात व्यवस्था को सुगम बनाने और नागरिकों की बुनियादी सुविधाओं को सुदृढ़ करने के संबंध में विस्तृत मास्टर प्लान पर गहन चर्चा की गई। बैठक की शुरुआत में कलेक्टर श्री धोटे ने नगर के नजरी नक्शा का बारीकी से अवलोकन किया और वर्तमान व्यवस्थाओं का जायजा लिया।

बाजारों का व्यवस्थापन और शहर का कायाकल्प

शहर के मुख्य मार्गों और यातायात को सुचारू बनाने के लिए कलेक्टर श्री धोटे ने विभिन्न बाजारों को व्यवस्थित ढंग से शिफ्ट करने के निर्देश दिए। बैठक में महाराजपुर के फुटकर सब्जी विक्रेताओं, थोक सब्जी विक्रेताओं, मटन मार्केट और मछली मार्केट को योजनाबद्ध तरीके से शिफ्ट किया जाएगा।

शहर के भीतर बढ़ते दबाव को कम करने के लिए ट्रांसपोर्ट नगर और कृषि मंडी के बेहतर प्रबंधन व संचालन पर चर्चा हुई। नर्मदा तट के प्रमुख घाटों की मरम्मत, साफ-सफाई और उनके सौंदर्यीकरण के लिए विशेष दिशा-निर्देश दिए गए। शहर के कायाकल्प के अंतर्गत प्रमुख सड़कों के चौड़ीकरण, आधुनिक मल्टीलेवल पार्किंग के निर्माण, व्यवस्थित बस स्टैंड और सीवरेज लाइन के कार्यों की प्रगति की समीक्षा की गई। इसके साथ ही वेंडर्स के लिए हॉकर जोन विकसित करने पर भी चर्चा की गई।

बैठक में कलेक्टर श्री धोटे ने नगर के सभी घरों में 27ग7 ड्रिंकिंग वॉटर सप्लाई सुनिश्चित करने के लिए एक विस्तृत (डीपीआर) तैयार करने के निर्देश दिए। बैठक में अपर कलेक्टर राजेन्द्र कुमार सिंह, सहायक कलेक्टर शैलेन्द्र चौधरी, एसडीएम मंडला श्रीमती सोनल सिडाम, डिप्टी कलेक्टर एवं पीओ डूडा संस्कार बावरिया, सीएमओ नगरपालिका गजानंद नाफड़े सहित इंजीनियर उपस्थित थे।

भाजपा के द्विदिवसीय प्रशिक्षण वर्ग में संगठन, सोशल मीडिया और राष्ट्र निर्माण पर हुआ मंथन

हरिभूमि न्यूज ⏭ मण्डला

भारतीय जनता पार्टी के पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाअभियान 2026 के अंतर्गत मंडला जिले के किंगफिशर होटल में 18 एवं 19 मई 2026 को दो दिवसीय जिला प्रशिक्षण वर्ग संपन्न हुआ। प्रशिक्षण वर्ग में जिलेभर से कार्यकर्ताओं ने सहभागिता की। प्रशिक्षण वर्ग के द्वितीय दिवस के उद्घाटन सत्र में प्रदेश सह मीडिया प्रभारी श्रीकांत साहू एवं सोशल मीडिया विभाग के जबलपुर संभागीय प्रभारी अमन शर्मा मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ माँ भारती, पंडित दीनदयाल उपाध्याय एवं डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के तैलचित्र पर माल्यार्पण, पूजन एवं दीप प्रज्वलन के साथ किया गया। इसके पश्चात अतिथियों ने प्रदर्शनी का अवलोकन कर विभिन्न सत्रों का शुभारंभ किया। द्वितीय दिवस के नवम सत्र में प्रदेश सह मीडिया प्रभारी श्रीकांत साहू ने मीडिया प्रबंधन विषय पर कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए सकारात्मक संवाद, जनसंपर्क एवं संगठन की गतिविधियों को प्रभावी ढंग से समाज तक पहुंचाने के महत्व पर प्रकाश डाला। वहीं संभागीय सोशल मीडिया प्रभारी अमन शर्मा ने सोशल मीडिया, नमो ऐप, संगठन ऐप एवं आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस विषय पर प्रशिक्षण देते हुए डिजिटल प्लेटफॉर्म के माध्यम से संगठन को सशक्त बनाने के विभिन्न आयामों की जानकारी दी। दशम सत्र में मध्यप्रदेश शासन की कैबिनेट मंत्री एवं मंडला विधायक श्रीमती संपतिया उईके ने देश के समक्ष सामाजिक एवं राजनीतिक चुनौतियाँ विषय पर उद्बोधन देते हुए कार्यकर्ताओं का मार्गदर्शन किया। उन्होंने कहा कि भाजपा का कार्यकर्ता राष्ट्रहित और समाजसेवा की भावना के साथ कार्य करता है तथा संगठन की विचारधारा को जन-जन तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। इसके पश्चात ग्यारहवें सत्र में मध्यप्रदेश पिछड़ा वर्ग कल्याण आयोग की सदस्य मौसम बिसेन ने स्थायी कार्यक्रम, बूथ प्रबंधन एवं मन की बात" विषय पर विस्तारपूर्वक जानकारी साझा करते हुए बूथ स्तर तक संगठन को मजबूत करने पर जोर दिया।समापन सत्र में भारतीय जनता पार्टी के क्षेत्रीय संगठन मंत्री श्री अजय जामवाल ने प्रशिक्षणार्थियों को संबोधित करते हुए संगठन की कार्यप्रणाली, अनुशासन एवं कार्यकर्ता निर्माण के विभिन्न पहलुओं पर मार्गदर्शन प्रदान किया। इस दौरान उन्होंने प्रशिक्षणार्थियों से संवाद स्थापित करते हुए उनकी जिज्ञासाओं का समाधान किया। प्रशिक्षणार्थियों ने भी संगठन से जुड़े विभिन्न प्रश्न पूछे, जिनका समाधान अजय जामवाल द्वारा विस्तारपूर्वक किया गया। इस सत्र की अध्यक्षता बैगा विकास प्राधिकरण के पूर्व अध्यक्ष बहादुर सिंह साकड़िया ने की। प्रशिक्षण वर्ग के समापन उपरांत डिजिटल माध्यम से 20 प्रश्नों की ऑनलाइन प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता आयोजित की गई, जिसमें सभी प्रशिक्षणार्थियों ने सहभागिता करते हुए प्रमाणपत्र प्राप्त किए। वही पूर्व विधायक रमेश भटेरे ने भी प्रशिक्षणार्थियों को मार्गदर्शन दिया। दो दिवसीय प्रशिक्षण वर्ग में जिलेभर से आए भाजपा कार्यकर्ताओं की विशेष उपस्थिति रही।

मण्डला फोर्ट से चले नागपुर, इंदौर और भोपाल की ट्रेनें

हरिभूमि न्यूज ⏭ मण्डला

मंडला जिले की जनता की लंबे समय से यह प्रमुख मांग रही है कि मंडला फोर्ट से नागपुर, मंडला फोर्ट से भोपाल के लिए सीधी ट्रेन सुविधा प्रारंभ की जाए। इसके साथ ही मुख्य मांग यह भी है कि पेंचवेली ट्रेन को मंडला फोर्ट से इंदौर तक जल्द संचालित किया जाए ताकि मंडला जिले के यात्रियों को बेहतर, सुविधाजनक एवं सीधी रेल सेवा मिल सके। यदि मंडला फोर्ट स्टेशन पर पिट लाइन एवं वाशिंग डिपो का निर्माण किया जाता है, तो मंडला फोर्ट स्टेशन महाकौशल क्षेत्र का एक बड़ा रेलवे हब बन सकता है, जहां से यात्रियों को चारों दिशाओं के लिए सुगम रेल सुविधा उपलब्ध हो सकेगी।

प्रमुख मांगें है कि सवेरे चलने वाली ट्रेन का समय बदला जाए, मंडला फोर्ट से वर्तमान में सवेरे चल रही ट्रेन का समय बदलकर सुबह 7 बजे के बाद किया जाना चाहिए, ताकि यात्रियों को स्टेशन पहुंचने में सुविधा मिल सके। मंडला फोर्ट-नागपुर स्पेशल ट्रेन मंडला फोर्ट से नागपुर के लिए रात्रि 9 बजे स्पेशल ट्रेन चलाई जाए, जो सप्ताह में 3 दिन रविवार, मंगलवार एवं गुरुवार संचालित हो। इस ट्रेन में 3AC एवं 2AC कोच भी लगाए जाएं, जिससे इलाज कराने नागपुर जाने वाले मरीजों एवं उनके परिजनों को बड़ी सुविधा मिल सके।

पेंचवेली ट्रेन को इंदौर तक बढ़ाया जाए

पेंचवेली ट्रेन की टाइमिंग निर्धारित कर मई या जून के प्रथम सप्ताह से मंडला फोर्ट से इंदौर तक संचालन प्रारंभ किया जाए, ताकि विद्यार्थियों, व्यापारियों एवं यात्रियों को सीधा लाभ मिल सके।

मंडला फोर्ट-भोपाल रात्रिकालीन ट्रेन

मंडला फोर्ट से भोपाल के लिए रात्रि 10 बजे नई ट्रेन प्रारंभ की जाए, जिससे इंदौर एवं भोपाल में पढ़ाई करने वाले छात्रों तथा नौकरीपेशा लोगों को बड़ी राहत मिले।

यात्रियों की बढ़ती संख्या का उदाहरण

अभी हाल ही में प्रारंभ हुई छिंदवाड़ा एवं जबलपुर ट्रेनें मंडला से ही लगभग पूर्ण क्षमता के साथ संचालित हो रही हैं। इससे स्पष्ट है कि मंडला फोर्ट से नई ट्रेनों के संचालन से रेलवे को किसी प्रकार का नुकसान नहीं होगा, बल्कि यात्री संख्या और राजस्व दोनों में वृद्धि होगी।

बस सुविधा की भी मांग

नगर पालिका द्वारा ट्रेन समय के अनुसार इलेक्ट्रिक बस सेवा प्रारंभ की जाए तथा सभी प्रमुख बसों का संचालन स्टेशन होते हुए किया जाए, जिससे यात्रियों के साथ-साथ स्थानीय बस ऑपरेटरों को भी लाभ मिल सके। यह सुविधा पर्यटन, व्यापार, शिक्षा एवं रोजगार के क्षेत्र में मंडला जिले के विकास को नई गति प्रदान करेगी।

रेलवे संघर्ष समिति के पदाधिकारी अखिलेश सोनी ने कहा कि मंडला फोर्ट से पेंचवेली, भोपाल एवं नागपुर ट्रेन जल्द प्रारंभ की जाए तथा सवेरे चलने वाली ट्रेन का समय कम से कम 1 घंटा आगे बढ़ाया जाए। रेल्वे संघर्ष समिति सिर्फ जनहित के लिए मांग कर रही इससे रेल्वे को कोई भी नुकसान नहीं होगा साथ फायदा वृहत रूप में होगा।

खबर संक्षेप

नीम हकीमों की हुकूमत के आगे प्रशासन बना उदासीन, आम लोगों की जिन्दगी से खिलवाड़

हरिभूमि न्यूज/ चीचली। क्षेत्र के ग्रामीण अंचलों इन दिनों नीम-हकीम अनाड़ी थैला छाप चिकित्सकों की हुकूमत देखने को मिल रही है, जिनके द्वारा इलाज के नाम पर रोगियों के परिजनों से जमकर चांदी काटी जा रही है, यह पहला अवसर नहीं है कि जब इस संबंध में संबंधित विभाग का ध्यान न दिलाया गया है, इसके पूर्व भी ग्रामीणजनों से मिली शिकायतों के अनुसार जिला प्रशासन का ध्यान देने के लिए मांग की जा चुकी है, किन्तु ऐसे कथित चिकित्सकों के विरूद्ध कार्यवाही के नाम पर परिणाम सिफर ही साबित हुए हैं। जानकारी के अनुसार क्षेत्र के ऐसे अनेक ग्रामीण अंचलों का जायजा लिया जावे तो निश्चित तौर पर एक गॉव में ऐसे आधे दर्जन से भी अधिक नीम हकीम थैला छाप चिकित्सक मिल जावेंगे जो अवैध रूप से अपना कारोबार संचालित करते हुए धड़ल्ले से अपनी दूकानदारी कर रहे हैं। उल्लेखानीय है कि जहां एक ओर एक ओर शासन द्वारा नगर में क्षेत्र के लोगों को स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करने हेतु तो स्वास्थ्य केन्द्र की स्थापना की गई है मगर उसमें चिकित्सकों का आभाव के चलते लोगों को सभी लाभ नही मिलने का परिणाम है कि ग्रामीण अपनी बीमारी के चलते अपनी जान पर बन आते देख इन कथित नीम हकीमो से ही इलाज कराना पड़ता है? सूत्र बताते हैं कि गांव के गलियारों में चिकित्सा व्यवसाय करने वाले ऐसे दर्जनों नीम हकीम है जिनके पास चिकित्सा संबंधी डिग्री नहीं है, किन्तु कुछ तो ऐसे भी थैला छाप चिकित्सक हैं जो आयुर्वेदिक चिकित्सा पद्धति के नाम पर एलोपैथिक चिकित्सा व्यवसाय करते देखे जा रहे हैं और उनके द्वारा किये जाने वाले इलाज से रोगियों के स्वास्थ्य पर इसका प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है? जानकारी के अनुसार शहर के कुछ निजी नर्सिंग होमों में कम्पाउण्डर का काम करने वाले कर्मियों द्वारा भी गांव में अपना डॉक्टरी पेशा शुरू कर दिया गया है तथा रोगियों को हाई पावर दवाईयां देकर उनके जान के साथ खिलवाड़ किया जा रहा है, जिसमें प्रमुख रूप से इस समय देखा जावे तो मौसम के विपरीत होने की स्थिति में जहां मरोजों का इजाफा हो रहा है, वही दूसरी ओर इन छोलाछाप डाक्टरों की चांदी हो रही है?

बिजली विभाग की उदासीनता से पड़ सकती हो लोगों की जिन्दगी खतरे में

हरिभूमि न्यूज/चीचली। अक्सर देखा जाता है कि जब कोई बड़ी घटना घटित हो जाने के बाद अधिकारियों द्वारा घटित होने वाली घटना की सच्चाई छिपाने के लिये अनेक प्रकार के बहाने बनाने से नही चूकते है मगर यदि समय रहते हुये सचेत होकर स्थिति में सुधार किया जावे तो निश्चित तौर इस प्रकार की घटनाओं को घटित होने से रोका भी जा सकता है? क्योंकि सच्चाई से अवगत होने के बाद भी उदासीन कार्य प्रणाली का परिणाम ही होता है कि बड़ी घटनाएं जन्म लेने से नही चूकती है कुछ इसी प्रकार की सच्चाई इस समय चीचली के कुछ वार्डो में देखने मिल रही है जहां पर लगे हुये वर्षो पुराने बिजली के लोहे खम्बे इस स्थिति में पहुंच चुके है कि वह अपने जमीनी स्तर के भाग से पूर्णरूप से टूटने की कगार पर पहुंच जाने के बाद भी बिजली विभाग द्वारा इस ओर किसी भी प्रकार का ध्यान नही दिये जाने से यह अनुमान लगने से नही चूक रहा है कि यदि जंग के शिकार हुये इस खम्बों पर जिस प्रकार से बिजली विभाग द्वारा विद्युत लाईन का संचालन किया जा रहा है वह किसी दिन गिरने के कारण आसपास रहने वाले लोगों की जिन्दगी के लिये बड़ा खतरा का कारण बन सकते है? इस सच्चाई को लेकर बिजली विभाग को अवगत कराये जाने के बाद भी बिजली विभाग द्वारा ध्यान न देना निश्चित तौर से चिंता जनक सच्चाई को उजागर करते हुये जान पड़ रहा है।

सड़क किनारे संचालित हो रही ढ़ाबों में देर रात छलकते जाम से शांति व्यवस्था को ग्रहण..

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा। जहां पूर्व के समय में लोग शराब पीने के लिए ऐसी जगह खोजते थें जहां पर किसी की नजर न पड़े मगर इस समय तो स्थिति इस प्रकार से देखने मिल रही है कि लोगों द्वारा जहां तहां बैठकर शराब का सेवन करते हुए नशे की हालत में सड़कों पर घूमते हुए आसानी से देख जा राकता है? इतना ही नही यदि गौर किया जावे तो वर्तमान में अनुमानतः शहर के 60 प्रतिशत युवाओं और किशोरो में शराब पीने का शौक ऐसा लगा है कि वे रात को बिना जाम छलकाये रह ही नही पा रहे है, जिसके चलते वे शहर में एक भी वीयरवार न होने और अधिकांश शहर में बने हुये ढावों में शराब के जाम छलकाने के लिए उपयुक्त जगहों पर जाना पड़ता है पड़ता है ।

सूरज की तेज तपन के बीच गेहूं विक्रय करने से लेकर अपनी मूंग फसल को बचाने में जुटा हुआ है किसान, एक ओर बिजली की कटौती तो दूसरी ओर किटों का प्रकोप

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा।

रात दिन एक करते हुये खेतों में अन्न पैदा करते हुये देशवासियों का पेट भरने वाला किसान ही देश का आधार स्तंभ माना जाता है। मगर इन किसानों के साथ जिस तरह प्रकृति से लेकर सरकार द्वारा खेल खेला जाता है उसके चलते अन्नदाता की स्थिति लगातार बदहाल होती चली जा रही है। यह बात अलग है कि सरकार द्वारा आये दिन किसानों को इस बात का भरोसा दिलाने में कोई कसर नही छोड़ी जाती है कि खेती को लाभ का धंधा बनाने के लिये प्रयास किये जा रहे है और इसी भरोसे के आधार पर अन्नदाता किसान को न तो सूरज की तेज तपन देखता है और रात की नींद को नजर अंदाज करते हुये अपने खेतों में जुटा रहता है। कुछ इसी प्रकार की सच्चाई इस समय भी देखने मिल रही है। इस समय आग ऊगते हुये सूरज की तेज तपन के बीच जहां किसान अपना गेंहू विक्रय करने के लिये लाईनों में लगा हुआ है तो दूसरी ओर मूंग फसल को सुरक्षित करने के लिये तपती दोपहरिया के बीच खेतों में दिखाई दे रहा है। इसके बाद भी देखा जाता है कि जब किसानों को खेती के लिये जब जरूरी सामग्री की जरूरत पड़ती है तो वह उपलब्ध नही होने से किसान लगातार टूटते चला जा रहा है। क्योंकि जब खेतों में बोनी करने का समय आता है तो एक एक बोरी खाद के लिये किसानों को दिन दिन भर लम्बी लाईनों भूखे प्यासे लगा हुआ देखा जाता और उन्हें खाद नही मिल पाती है तो खाली हाथ जाने के बाद चुपचाप तरीके से फिर दूसरे दिन खाद दुकानों व वितरण केन्द्रो के सामने लग जाता है। वही दूसरी ओर जिस तरह डीजल सहित अन्य खेती संबंधी सामग्री के दामों में बढ़ोत्तरी का सिलसिला चल रहा है। वही डीजल के रेटों न मानों अन्नदाता की कमर ही तोड़ दी है। उसके कारण महंगाई के बीच किसान अपने खेतों में लगाने वाली लागत को खड़ा कर पाना भी मुश्किल हो जाता है। कहने के लिये सरकार द्वारा किसानों को सिंचाई हेतु 10 घंटे बिजली उपलब्ध कराये जाने की बात कही जा रही है। मगर सच्चाई का पता तो किसानों के खेतों पर पहुंचने के बाद ही देखने मिलता है जहां पर बड़ी मुश्किलों के बीच मात्र चंद घंटे ही बिजली मिलने के कारण किसान अपने खेतों में बोई गई मूंग फसल की सिंचाई तक नही कर पा रहे है। इस समय देखा जा रहा है कि सूरज की तेज तपन के बीच किसान अपने खेतों में लगी हुई मूंग फसल को बचाने में जुटा हुआ देखा जा रहा है। स्थिति इस तरह से देखी जा रही है कि किसानों को निर्धारित समय पर बिजली नही मिलने के कारण वह जब चंद घंटे के लिये लाइन चालू होती है तो भर दोपहरिया में अपनी सिंचाई लाईने बदलते हुये दिखाई देता है। दूसरी ओर किसानों की मूंग फसल में लगातार बढ़ रहे हल्ली के प्रकोप के चलते दिन दिन भर अनेक प्रकार की कीट नाशक दबाईयों का छिड़काव करते हुये देखा जा रहा है। वही दूसरी ओर बिजली लाईनों का रख रखाव नही होने के कारण आये दिन फाल्ट बनने के कारण लाईने बंद हो रही जिसके चलते उन्हें जरूरत के हिसाब से बिजली नही मिल पाने के कारण जहां खेतों में मूंग सूखते हुये नजर आ रही है। अनेक जगहों पर देखा जा रहा है कि बिजली विभाग के ही कर्मचारियों की मिली भगत के चलते लोगों द्वारा अटल ज्योति योजना के लाईन से कंटी मारकर चलाये जा रहे नलकूपों के कारण लाईनों में फाल्ट होने का परिणाम आम किसानों को भोगने मजबूर होना पड़ रहा है। बताया जाता है कि इस तरह अटल ज्योति योजना की लाईन से क्षेत्र में अनेक प्रभावशाली लोग विभाग के कर्ताधर्ताओं की मिली भगत से अपने नलकू चलाते हुये देखे जा रहे है। कहने के लिये तो प्रदेश में किसानों की मदद से लेकर फसलों के संबंध में जरूरी जानकारियाँ उपलब्ध कराने के लिये कृषि विभाग बनाया गया है। मगर इस विभाग में बैठे हुये अधिकारी गांवों में जानकारी देने के लिये पहुंचने की बात दूर अपने कार्यालयों में दर्शन भी दुर्लभ होते हुये जान पड़ते है? जबकि नियम के अनुसार हर ब्लाक स्तर से लेकर सेक्टर स्तर पर कृषि अधिकारी नियुक्त रहते है जो समय समय पर किसानों के बीच पहुंचकर उन्हें फसलों में लगने वाली बीमारियों के बचाव को लेकर किसानों को अवगत कराने की जिम्मेदारी रहती है। मगर इन अधिकारियों का हाल इस तरह का रहता है कि आज तक उनके सेक्टर में शामिल गांवों के दर्शन नही किये गये होगे और अपने दायित्वों का निर्वाहन मात्र कागजों पर करते हुये पूरा करने से नही चूकते है? वही दूसरी ओर किसानों की मदद के लिये केन्द्र से लेकर प्रदेश सरकार द्वारा चलाई जा रही प्रधानमंत्री सम्मान निधि से लेकर मुख्यमंत्री सम्मान निधि के माध्यम से हर साल किसानों के खेतों में 10 हजार रूपया प्रदान करने की बात कही जा रही है। मगर इस योजना का लाभ लेने के लिये क्षेत्र के किसान लगातार भटकते हुये देखे जा रहे है और यह योजना कागजों पर ही संचालित होते हुये देखी जा रही है। इस तरह लगातार बदहाली का शिकार हो रहे किसानों से जब चर्चा की गई तो क्षेत्र के किसानों का कहना है कि सरकार द्वारा किसानों को जिस तरह मदद देने का भरोसा तो दिलाया जाता है। मगर वह भरोसा मात्र मंचों से लेकर कागजो तक सीमित रहने के कारण अन्नदाता किसान परेशान होते हुये देखा जा रहा है। इस समय क्षेत्र के किसानों ने गर्मी मौसम की मूंग फसल अपने खेतों में बोई गई है। मगर उन्हें पर्याप्त मात्रा में बिजली नही मिलने कारण वह सूखते चली जा रही है। इसी प्रकार से ग्राम बांसखेड़ा निवासी युवा कृषक महेश गुर्जर पटैल का कहना है कि केन्द्र से लेकर प्रदेश में बैठी हुई सरकार द्वारा जिस तरह कहा जाता है कि वह किसानों की मदद के लिये सदा उनके साथ खड़ी है। मगर सही मायने में देखा जावे तो सरकार का यह बादा सिर्फ वाही वाही लूटने तक ही सीमित देखा जा रहा है। क्योंकि वर्तमान समय में क्षेत्र के किसानों को सबसे अधिक अपनी मूंग फसल की सिंचाई करने के लिये बिजली की जरूरत है। सरकार के रिकार्ड में किसानों को 10 घंटे बिजली प्रदान की जा रही है। मगर मुश्किल से चार से पांच घंटे ही बिजली मिलने के कारण हालत यह बनी हुई है कि किसानों की मूंग फसल सूखने की कगार पर पहुंचते हुये देखी जा रही है। इसी प्रकार से ग्राम घघरौला एक कहना है कि लगातार बदहाली का शिकार हो रहे किसानों की खोज खबर लेने वाला कोई नही है और किसानों की हाल इस तरह बन चुकी है कि वह अपने खेतों में फसल को तैयार करने के लिये लगाई जाने वाली लागत भी पूरी नही कर पा रहा है। क्योंकि डीजल सहित अन्य कृषि सामग्री के बढ़ते हुये दामों के हाल किसान लगातार परेशान होते चला जा रहा है। इसी प्रकार से ग्राम महगंवा निवासी राजाराम कौरव का कहना है कि आज सबसे अधिक परेशान सिर्फ देश का किसान देखा जा रहा है। क्योंकि जहां किसानों को एक ओर महंगाई मार रही है तो दूसरी ओर प्रकृति का खेल किसानों को बर्बाद करते हुये देखा जा रहा है। क्षेत्र के किसानों ने बड़ी उम्मीदों से अपने खेतों में गर्मी मौसम की मूंग फसल बोई गई थी। मगर जरूरत के हिसाब से बिजली नही मिलने के कारण खेतों में सूखते हुये देखी जा रही है तो दूसरी ओर तैयार होते हुये मूंग फसल में जिस तरह इल्ली सहित अन्य प्रकार के रोग लग रहे है उससे किसानों को अपनी फसल को बचाना मुश्किल हो रहा है।

कम्प्यूटीकृत बैंकों में हो रहा कछुआ गति से काम

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा।

कम्प्यूटर युग के बावजूद भी बैंको मे राशि जमा करने व निकालने के लिये अगर एक दो घण्टे का समय लगें, लंबी लंबी कतारें खत्म न हो तो हमे 21 वीं सदी मे आधुनिकता की चादर ओढ़ने का गर्व नही करना चाहिए। नगर मे स्थित राष्टीयकृत बैंकों मे जिन ग्राहकों को पैसा जमा करने, ड्राप्ट बनवानें, शासकीय राशि जमा करने पहुंचते है तो उन्हे लंबी लाइन मे खड़े होकर अपना नंबर आने का इंतजार करना पड़ता है। बैंको मे नोट गिनने की मशीन होने के बावजूद भी अन्य लिखा पढ़ी मे काफी विलंब होता है, जिससे ग्राहकों मे बैको की कार्यप्रणाली से परेशानी बढ़ी है। नगर सहित क्षेत्र के आस पास ग्रामीण क्षेत्रों में स्थित राष्टीयकृत बैंक मे शासकीय राशि, चालान आदि पटाने में लोगो को भारी मशक्कत करनी पड़ती है, एक काम के लिये ही यहां पूरा दिन बर्बाद हो जाता है, जिससे लोगों के काम धाम पिछड़ते हुए देखा जा रहा है? इतना ही नही इस बैंक में कार्यरत कर्मियों के परिचतों के कार्य पहले निपटानें का भी चलन तेजी बढ़ते हुये देखा जा रहा है। संबंधित बैंक अधिकाारियों को चाहिए कि उपभोक्ताओं के काम आसानी से और कम समय पर निपटे ऐसी व्यवस्था बैंक मे बनाये, किंतु अधिकारी है कि कुर्सी पर चिपके रहते हुए देखा जाता है, उन्हें बैंकों मे काम किस गति से हो रहा है व उपभोक्ताओं की क्या परेशानी हो रही है, शायद इससे किसी को कोई सरोकार नही है? मगर देखा जाता है कि यहां प्रमुख बैंकों में वर्षो से पदस्थ कुछ कर्मी अपनी डियूटी के समय चायपान की दुकानों के साथ साथ लोंग लता का स्वाद लेते हुए ज्यादा नजर आते है? इस प्रकार से बैक अधिकारियों व कर्मचारियों की मनमानी से परेशान उपभोक्ता जब बैंक प्रमुख से विलंब होने की बात कहते है तो वे उन्हे बैंक में फसाद करने का उल्टा उल्हाना देने से नही चूकते है? इस प्रकार से बैंकों में उपभोक्ताओं को राशि निकालने व जमा करने के लिये पर्याप्त खिड़की है किंतु स्टाफ की कमी के कारण गिनी चुनी खिडकियों मे ही काम होता है, जहां पर लंबी लंबी कतारें लगी रहती है, शासकीय चालान जमा करने वालो को भी घंटों लंबी कतारों मे खड़ा होना पड़ रहा है, एक बैंक मे तो आये दिन पासवर्ड के कारण कम्प्यूटर चालू नही हो पाता जिसके ग्राहक देर तक भुगतान पाने खड़े रहते है, बैंको का कम्प्यूटरीकृत होने के ढोल तो पीटे जाते है किंतु बैंको मे काम काज धीमी गति से हो रहा है लोगों की परेशानी का कारण बन रहा है, यदि ग्राहक विलंब के लिए कुछ कहते है तो बैंक कर्मी व अधिकारी आपे से बाहर हो जाते है।

ग्रामीण क्षेत्रों में चालू कम, बंद ज्यादा पड़ी हुई नलजल योजनायें, शोभा की सुपारी साबित हो रही लाखों की राशि से बनी टंकी

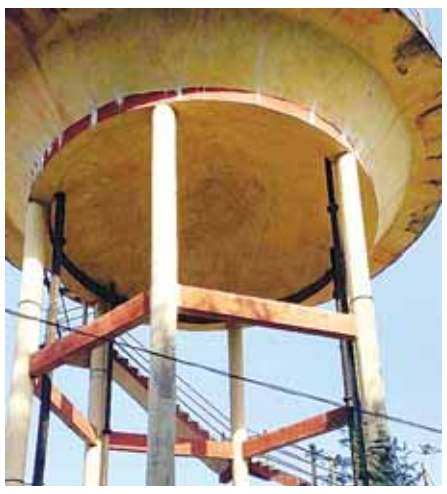

हरिभूमि न्यूज/ कल्याणपुर। शासन प्रशासन द्वारा ग्रामीण क्षेत्रों में पेयजल सुविधा की दृष्टि से भले ही नल-जल योजनाओं का गांव गांव शुभारंभ किया जा रहा हो जिसके चलते सरकार का प्रतिवर्ष करोड़ो रूपया भी पानी के नाम पर पानी की तरह ही बहते हुए देखा जा रहा है। लेकिन इन योजनाओं का ग्रामीणों को समुचित लाभ नहीं मिल पा रहा है, जिसके सच्चाई क्षेत्र की अनेक पंचायतों में देखने आसानी से मिल सकती है। क्योंकि सरकार द्वारा पूर्व में लाखों रूपया खर्च करते हुए अनेक पंचायतों में इस नल जल योजना का शुभारंभ तो कर दिया गया था। मगर वह सिर्फ कागजों तक ही सीमित होकर रह चुकी है। क्योंकि क्षेत्र के अनेक पंचायतों में शुभारंभ के कुछ समय बाद से ही यह योजनाएं बंद पड़ी हुई हैं। बताया जाता है कि नलजल योजना के तहत ग्रामीण क्षेत्रों में पीने के पानी की सुविधा के लिए पंचायत स्तर पर शासन प्रशासन द्वारा नल-जल योजना और स्थाई जल योजना चलाई गई थी, जिसके चलते कई पंचायतों में इन योजनाओं का शुभारंभ भी किया गया था। लेकिन योजनाओं से ग्रामीणों को कोई खास लाभ नहीं मिल पा रहा है और जल संकट हर तरफ बढ़ता ही जा रहा है। हालाकि इन योजनओं का उद्देश्य ग्रामीणों को पीने का पानी उपलब्ध कराना है। लेकिन इस योजना के तहत डाली गई लाईनों से पानी सप्ताह में एकाध बार भी पानी सही ढंग से नहीं मिलता है। इतना ही नही कई पंचायतों की स्थिति तो इस प्रकार से है कि नलकूपों में बीते लम्बे समय में ताला डला हुआ है, इस सच्चाई के चलते इस योजना के नाम पर शासन के पैसों की बर्बादी ही जान पड़ रही है? इन योजनाओं के बंद होने का कारण भी अलग अलग है। कुछ जल स्त्रोत सूखने, बिजली कनेक्शन कटने तथा अन्य कारणों से बंद हैं। पीएचई विभाग द्वारा इन योजनाओं के शुरू होने के बाद बंद होने पर सूचना मिलने पर भी रूचि न लेकर बंद होने के कारणों को खत्म करने का प्रयास नहीं किया जाता है और न ही दुरूस्तीकरण में कोई रूचि दिखाई जाती है। जिसके चलते आज भी अनेक पंचायतों में ये योजनाएँ बंद पड़ी हुई या फिर होती जा रही हैं। इस योजना को लेकर पीएचई विभाग के अनुसार नल-जल योजना 2 हजार से अधिक आबादी वाले ग्रामीण क्षेत्रों में क्रियान्वित की जाती है तथा इस योजना के तहत एक ट्यूबवैल से अनेक नल कनेक्शन पाईप लाईन में बिछाकर दिये जाते हैं, घरों में कनेक्शन के बाद पानी की सप्लाई पंचायत स्तर से प्रति दिन या फिर वहां पर जैंसी पानी की स्थिति होती है के अनुसार की जाती है बदले में पंचायत द्वारा कनेक्शनधारियों से शुल्क भी लिया जाता है। इस प्रकार से एक हजार से कम आबादी वाले ग्रामीण क्षेत्र में स्थल जल योजना संचालित की जाती है। इस योजना में ट्यूबवैल का खनन करके उसी में मोटर पंप लगाकर कई नल लगा दिये जाते हैं और ग्रामीणों को स्पाट पर ही पानी दिया जाता है, इस योजना में घरों में कनेक्शन नहीं दिये जाते हैं, लोगों को ट्यूबवैल पर ही लगे नलों से पानी भरना पड़ता है, इस योजना को नल-जल योजना में गांव की आबादी बढ़ने पर परिवर्तित कर दिया जाता है।

बगैर परमिट दौड़ रहे अनेक कंपनियों में किराये से लगे हुये चार पाहिया वाहन

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा।

आबादी के बढ़ते दबाव के बीच जिले मे सड़कों पर दौडने वाले चार पहिया सवारी बाहनों की संख्या भी तेजी से बढ़ती चली जा रही है। इन वाहनों पर नियंत्रण के लिए नियम कायदे बने है, जिनका पालन कराने की जिम्मेदारी परिवहन विभाग की है मगर विभागीय सुस्ती के कारण सड़कों पर बगैर परमिट के अनेक टैक्सी धडल्ले से चल रहे है जिसको लेकर देखा जाता है कि प्रशासन द्वारा वाहन चैकिंग के नाम पर कभी कभार कागजी खानापूर्ति के लिए एक दो वाहनों का चालान कर दिया जाता है बगैर टैक्सी परमिट के दौड़नें वाले वाहनों की संख्या क्षेत्र में हजारों में है, जिसमें प्रमुख रूप से देखा जावे तो यहां पर स्थित अनेक कंपनियों द्वारा अनेक वाहनों को किराया पर ले किया गया है, जिनके किराये से लागने के लिए भी परमिट होना जरूरी होता है, मगर बिना टैक्सी परमिट के वाहन मे सवारियों का परिवहन करना सरासर परिवहन नियमों की अवहेलना हो रही है वही एक तरफ जहां नियमों के परखच्चे उड़ रहे है, वही दूसरी तरफ टैक्स के माध्यम से सरकार को मिलने वाले राजस्व मे भी कमी आ रही है, देखने मे आ रहा है कि अधिकांश जीप,मार्शल, बुलेरो, स्कारपियों या उसे जैसे वाहन निजी कंपनियों में किराय पर सवारी ढोने के काम मे लगे हुए है, इस प्रकार वाहन मालिक टैक्स की राशि बचाकर अपने वाहनों को सवारियों के परिवहन मे लगा देते है और परिवहन विभाग कभी इसी जांच के लिए व्यापक अभियान नही छेड़ता, परिणाम स्वरूप ऐसे वाहन धडल्ले से चल रहे और इनकी संख्या दिनोदिन बढ़ती जा रही है, जब कोई दुर्घटना होती है तब अधिकारियों से लेकर आम पब्लिक हाथ मलते रह जाती है, नगर में स्थित व क्षेत्र में स्थित अनेक कंपनियों में इसी प्रकार अधिकांश शासकीय विभागों मे निजी वाहनों को किराए पर लगाया गया है, जबकि शासन के स्पष्ट निर्देश है कि किसी भी सरकारी दप्तर से आवश्यकता होने पर जो वाहन किराए पर लगाए जाएं उनका रजिस्ट्रेशन परिवाहन विभाग मे टैक्सी वाहन के रूप मे होना अनिवार्य है, परिवहन विभाग के पास इन वाहनों पर कार्यवाही किये जाने की जानकारी नही मिली,शासन के आदेश की विभागीय अधिकारी विभाग भी इस दिशा मे उदासीनता प्रदार्शित करते हुये जान पड़ रहे है।

जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत जल संरक्षण को लेकर गांव-गांव में जन जागरूकता के लिये दीवारों पर लिखे जा रहे नारे

हरिभूमि न्यूज/ गाडरवारा।

जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत मप्र जन अभियान परिषद विकास खंड चीचली के मार्ग दर्शन और नवांकुर संस्था हरदौल जन सेवा समिति बसुरिया के तत्वाधान में जल संरक्षण व संवर्धन की दिशा में व्यापक जनजागरूकता के लिए गतिविधियां संचालित की जा रही है। इस अभियान के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्रों में जल एवं पर्यावरण के संरक्षण और संवर्धन के प्रति नागरिकों को जागरूक करने के उद्देश्य से नारे एवं स्लोगन लेखन का कार्य किया जा रहा है। गांवों की दीवारों, सार्वजनिक स्थलों एवं प्रमुख मार्गों पर "जल है तो कल है", "बूंद-बूंद जल बचाएं, भविष्य सुरक्षित बनाएं", "जल संरक्षण अपनाएं, जीवन खुशहाल बनाएं" जैसे प्रेरणादायक संदेश लिखकर आमजन को जल के महत्व से अवगत कराया जा रहा है। इस कार्य में ग्राम विकास प्रस्फुटन समिति सहावन, बाबई खुर्द, सालीचौका तथा वार्ड विकास प्रस्फुटन समिति विवेकानंद वार्ड सालीचौका द्वारा सक्रिय सहभागिता निभाई जा रही है। नवांकुर संस्था के सचिव श्री रामेश्वर वर्मा ने बताया कि जलगंगा संवर्धन अभियान के तहत नारा लेखन, जनसंपर्क, संवाद एवं विभिन्न जागरूकता गतिविधियों के माध्यम से लोगों तक जल संरक्षण का संदेश पहुंचाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि अभियान के दौरान ग्रामीणों को वर्षा जल संचयन अपनाने, पारंपरिक जल स्त्रोतों की साफ-सफाई एवं संरक्षण करने, तालाबों एवं कुओं की उपयोगिता बढ़ाने तथा जल के अनावश्यक उपयोग को रोकने के लिए प्रेरित किया जा रहा है। साथ ही यह संदेश भी दिया जा रहा है कि जल संरक्षण केवल शासन की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि प्रत्येक नागरिक का नैतिक दायित्व है।

खबर संक्षेप

बारिश के बाद अचानक बढ़ी गर्मी

कुछ दिनों पहले क्षेत्र में आंधी, बारिश और ओलावृष्टि के कारण मौसम में ठंडक घुल गई थी, लेकिन इसके बाद अचानक तापमान में तेजी से बढ़ोतरी होने लगी। मौसम में लगातार बदलाव के चलते वायरल संक्रमण और मौसमी बीमारियों का खतरा भी बढ़ गया है। ग्रामीण इलाकों में गर्मी की स्थिति और अधिक गंभीर बनी हुई है। कई गांवों में दोपहर के समय बिजली आपूर्ति प्रभावित होने से लोग उमस और गर्मी से परेशान हैं। बिजली कटौती के कारण पंखे और कूलर बंद रहने से बच्चों और बुजुर्गों को अधिक दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है।मौसम विभाग के अनुसार आगामी दिनों में तापमान में और वृद्धि होने की संभावना है। लगातार बढ़ती गर्मी और लू को देखते हुए स्वास्थ्य विभाग और प्रशासन ने लोगों से सावधानी बरतने की अपील की है। चिकित्सकों का कहना है कि गर्मी के मौसम में थोड़ी सी लापरवाही भी स्वास्थ्य पर भारी पड़ सकती हैए इसलिए सतर्कता बेहद जरूरी है।

कलेक्टर ने अधिकारियों को दिए त्वरित निराकरण के निर्देश

जनसुनवाई में उमड़ी फरियादियों की भीड़, 75 आवेदनों पर सुनवाई

डिंडौरी।कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में मंगलवार को आयोजित जनसुनवाई में जिले के विभिन्न गांवों और क्षेत्रों से पहुंचे ग्रामीणों एवं नागरिकों ने अपनी समस्याओं और मांगों को लेकर आवेदन प्रस्तुत किए। जनसुनवाई में कुल 75 आवेदन प्राप्त हुए। कलेक्टर श्रीमती अंजू पवन भदौरिया ने सभी प्रकरणों को गंभीरता से सुनते हुए संबंधित विभागों के अधिकारियों को शीघ्र एवं समयबद्ध निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।जनसुनवाई के दौरान पेयजल संकटए अधूरे निर्माण कार्यए लंबित भुगतानए प्रधानमंत्री आवास योजनाए फसल नुकसानए आर्थिक सहायताए रोजगार और पेंशन जैसी समस्याओं से जुड़े आवेदन सामने आए।ग्राम निवासी श्रीमती द्रोपती बाई ने हाल ही में आए तूफान और बारिश से घर का छप्पर क्षतिग्रस्त होने की जानकारी दी। मामले को गंभीरता से लेते हुए कलेक्टर ने आदिवासी संकटापन मद से 5 हजार रुपये की आर्थिक सहायता स्वीकृत करते हुए राशि का उपयोग घर की मरम्मत में करने के निर्देश दिए।वहीं ग्राम पंचायत बरगांव के चिरौंजी लाल साहू वृद्धावस्था पेंशन और भूमि सीमांकन संबंधी आवेदन लेकर पहुंचे। जांच के दौरान उनकी ई.केवाईसी प्रक्रिया पूर्ण पाए जाने पर बताया गया कि पेंशन राशि खाते में जमा हो रही है। साथ ही सीमांकन के लिए लोक सेवा केंद्र के माध्यम से आवेदन प्रक्रिया पूरी कराते हुए 15 दिनों में कार्रवाई का आश्वासन दिया गया।

ग्राम बिजौरा माल निवासी सत्कार झारिया ने दिव्यांगता के चलते मोटर ट्राइसाइकिल उपलब्ध कराने की मांग रखी। इस पर कलेक्टर ने सामाजिक न्याय विभाग को आवश्यक कार्रवाई कर शीघ्र सहायता उपलब्ध कराने के निर्देश दिए।ग्राम पंचायत डांडविदयपुर की 77 वर्षीय रामकली ने वृद्धावस्था पेंशन नहीं मिलने की शिकायत दर्ज कराई। संबंधित अधिकारी से तत्काल जानकारी लेकर ई.केवाईसी प्रक्रिया के माध्यम से समस्या का निराकरण कराया गया।इसी प्रकार ग्राम सरहरी पोस्ट सिमरिया की 75 वर्षीय चैती बाई ने बताया कि पुत्र और बहू के निधन के बाद नाती.नातिनों के पालन.पोषण एवं शिक्षा की जिम्मेदारी उन पर है और आर्थिक स्थिति कमजोर है। मामले को संवेदनशीलता से लेते हुए कलेक्टर ने जिला शिक्षा अधिकारी एवं महिला एवं बाल विकास विभाग को बच्चों को अनाथ छात्रवृत्ति सहित आवश्यक सहायता उपलब्ध कराने के निर्देश दिए।जनसुनवाई में अपर कलेक्टर जेण्पीण यादवए डिप्टी कलेक्टर वैद्यनाथ वासनिकए डीपीसी श्रीमती श्वेता अग्रवाल सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

सक्का में नाली निर्माण कार्य हो रहा स्तरहीन

जल संकट से त्रस्त ग्रामीणों का प्रदर्शन, मंत्री ने दिए निर्देश

अमरपुर। जनपद पंचायत अमरपुर क्षेत्रातंर्गत ग्राम पंचायत मुख्यालय सक्का में मंडला से डिंडौरी हाईवे सड़क निर्माण किया जा रहा हैं। जहां पर नाली निर्माण कार्य किया जा रहा हैं। जोकि बहुत ही गुणवत्ताहीन निर्माण किया जा रहा हैं। जोकि अभी से ही जगह.जगह से टूट रही हैं। जहां स्कूली छात्रए छात्राएं गिरकर चोटिल भी हो रहे हैं। वहीं पर खेल मैदान या तालाब की ओर जाने वाले मार्ग में नाली के ऊपर डाले गए कांक्रीट टूटकर छेद हो गया हैं। साथ ही कुछ जगह गैप छोड़ दिया गया हैं। वह वर्तमान समय में दुर्घटना के कारण बने हुए हैं। जिस संबंध में ग्रामीणों द्वारा बताया कि विगत माह जवारे विसर्जन के दौरान एक महिला गिरकर चोटिल हो गई थी। साप्ताहिक हाट बाजार वाले गांव एवं कस्बा बस्तियों में इस प्रकार के निर्माण कार्यों से लोगों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।

डिंडौरी। जिले के ग्रामीण अंचलों में गहराते जल संकट के बीच मंगलवार को जिला मुख्यालय से लगे ग्राम देवरा में ग्रामीणों का आक्रोश खुलकर सामने आया। लंबे समय से पेयजल समस्या से परेशान ग्रामीणों ने जल जीवन मिशन के तहत गांव में नल.जल योजना का लाभ नहीं मिलने पर देवरा.मुड़की तिराहा पर खाली बर्तन लेकर धरना प्रदर्शन किया और प्रशासन के खिलाफ जमकर नारेबाजी की।ग्रामीणों का आरोप है कि पीएचई विभाग द्वारा देवरा गांव के लिए प्रस्तावित पानी की टंकी को दूसरे स्थान पर बनवा दिया गयाए जिसके कारण गांव में पाइपलाइन बिछने के बावजूद नियमित जलापूर्ति शुरू नहीं हो सकी। ग्रामीणों ने बताया कि वर्षों से वे पेयजल संकट झेल रहे हैं और कई बार शिकायत करने के बावजूद समस्या का समाधान नहीं हुआ। इससे नाराज होकर ग्रामीणों को सड़क पर उतरकर प्रदर्शन करना पड़ा।धरना प्रदर्शन में बड़ी संख्या में महिलाएं और पुरुष शामिल हुए। प्रदर्शन के दौरान ग्रामीणों और पीएचई विभाग के ठेकेदार सुरेंद्र ओझा के बीच तीखी बहस हो गई। ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि ठेकेदार द्वारा उनके साथ अभद्रता और गाली.गलौज की गईए जिससे माहौल और अधिक तनावपूर्ण हो गया।सूचना मिलते ही एसडीएम डिंडौरी रामबाबू देवांगन मौके पर पहुंचे और ग्रामीणों को समझाने का प्रयास कियाए लेकिन ग्रामीण पीएचई मंत्री संपतिया उइके को मौके पर बुलाने की मांग पर अड़े रहे। बाद में मंत्री सम्पतिया उइके ने ग्रामीणों की समस्या सुनी और मामले को गंभीरता से लेते हुए ठेकेदार सुरेंद्र ओझा के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने के निर्देश दिए।ग्रामीणों के अनुसार सुबह करीब 9 बजे शुरू हुआ चक्का जाम लगभग दो घंटे तक जारी रहा। इस दौरान सड़क पर बसए ट्रकए दोपहिया और चारपहिया वाहनों की लंबी कतार लग गईए जिससे यात्रियों और वाहन चालकों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा।

84. 39 लीटर अवैध शराब के साथ तीन तस्कर गिरफ्तार

डिंडौरी। जिले में अवैध शराब कारोबार और परिवहन के खिलाफ पुलिस द्वारा लगातार कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में पुलिस अधीक्षक आशीष खरे के निर्देशन में कोतवाली डिंडौरी पुलिस ने कार्रवाई करते हुए अवैध शराब का परिवहन कर रहे तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है।

जानकारी के अनुसार कोतवाली पुलिस को अवैध शराब परिवहन की सूचना मिली थी। सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने घेराबंदी कर संदिग्धों को पकड़ा। तलाशी के दौरान आरोपियों के कब्जे से 84. 39 बल्क लीटर अवैध शराब बरामद की गई। पुलिस ने शराब परिवहन में इस्तेमाल की जा रही दो मोटरसाइकिल चार मोबाइल फोन तथा नगदी भी जब्त की है। जब्त किए गए माल की कुल कीमत करीब 5 लाख 37 हजार 605 रुपये बताई जा रही है।पुलिस ने सभी आरोपियों के खिलाफ आबकारी अधिनियम की धारा 34;2द्ध के तहत मामला दर्ज कर वैधानिक कार्रवाई शुरू कर दी है। प्रारंभिक पूछताछ में पुलिस आरोपियों से अवैध शराब के स्रोत और सप्लाई नेटवर्क के संबंध में जानकारी जुटा रही है।पुलिस अधीक्षक आशीष खरे ने जिले में अवैध कारोबार के खिलाफ अभियान लगातार जारी रखने के निर्देश दिए हैं। पुलिस का कहना है कि कानून व्यवस्था प्रभावित करने वाली गतिविधियों में शामिल लोगों के खिलाफ आगे भी सख्त कार्रवाई जारी रहेगी।

मई में ही आग उगलने लगा मौसम शहपुरा का पारा 45 डिग्री के पार

भीषण गर्मी और लू से जनजीवन प्रभावित

शहपुरा। मई माह में ही पड़ रही भीषण गर्मी ने शहपुरा नगर सहित आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों में जनजीवन को बुरी तरह प्रभावित कर दिया है। लगातार बढ़ते तापमान के बीच सोमवार को शहपुरा का अधिकतम तापमान 45 डिग्री सेल्सियस के पार पहुंच गया। सुबह से ही तेज धूप और गर्म हवाओं का असर दिखाई देने लगाए जबकि दोपहर होते.होते सड़कें और बाजार लगभग सुनसान नजर आए।भीषण गर्मी और लू के कारण लोग अत्यावश्यक कार्य होने पर ही घरों से बाहर निकल रहे हैं। नगर के मुख्य बाजारए बस स्टैंडए चौक.चौराहों और सार्वजनिक स्थानों पर सामान्य दिनों की तुलना में काफी कम आवाजाही देखने को मिल रही है। दोपहर के समय हालात ऐसे बन रहे हैं मानो नगर में सन्नाटा पसर गया हो। गर्म हवाओं के थपेड़ों से बाइक सवारों और पैदल राहगीरों को सबसे अधिक परेशानी उठानी पड़ रही है।स्थानीय व्यापारियों के अनुसार तेज गर्मी का असर कारोबार पर भी पड़ रहा है। बाजारों में ग्राहकों की संख्या कम होने से व्यापार प्रभावित हो रहा है। कई दुकानदार दोपहर के समय दुकानें बंद कर घर लौटने को मजबूर हैं।भीषण गर्मी और बदलते मौसम का असर लोगों की सेहत पर भी दिखाई देने लगा है। शहपुरा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सहित निजी अस्पतालों और क्लीनिकों में मरीजों की संख्या बढ़ गई है। उल्टी.दस्तए डिहाइड्रेशनए वायरल फीवरए सिर दर्दए चक्कर और कमजोरी जैसी समस्याओं से पीड़ित लोग उपचार के लिए अस्पताल पहुंच रहे हैं।चिकित्सकों के मुताबिक तेज गर्मी और लू के कारण शरीर में पानी की कमी तेजी से हो रही हैए जिससे लोग बीमार पड़ रहे हैं। छोटे बच्चेए बुजुर्ग और खेतों में काम करने वाले मजदूर सबसे ज्यादा प्रभावित हो रहे हैं। डॉक्टरों ने लोगों को दोपहर 12 बजे से शाम 4 बजे तक अनावश्यक रूप से बाहर नहीं निकलनेए पर्याप्त मात्रा में पानी पीने और हल्के कपड़े पहनने की सलाह दी है।

शहपुरा तहसील की दवा दुकानें रहेंगी बंद दवा विक्रेता संघ ने प्रशासन को दी सूचना

शहपुरा। आज 20 मई को प्रस्तावित राष्ट्रव्यापी बंद के समर्थन में शहपुरा तहसील की समस्त मेडिकल एवं दवा दुकानें बंद रहेंगी। इस संबंध में समस्त दवा विक्रेता संघए शहपुरा तहसील द्वारा अनुविभागीय अधिकारी ;एसडीएमद्ध शहपुरा को लिखित सूचना पत्र सौंपकर प्रशासन को पूर्व में अवगत कराया गया है। संघ द्वारा दिए गए पत्र में बताया गया है कि केंद्र सरकार द्वारा लागू किए गए ळैत 817;म्द्ध एवं ळैत 220 नियमों के विरोध में ऑल इंडिया केमिस्ट एंड ड्रगिस्ट एसोसिएशन ने देशव्यापी बंद का आह्वान किया है। दवा व्यापारियों का कहना है कि इन प्रावधानों से छोटे दवा विक्रेताओं के व्यापार पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा हैए साथ ही आम जनता के स्वास्थ्य सेवाओं और दवा वितरण व्यवस्था पर भी असर पड़ने की आशंका है।दवा विक्रेता संघ ने आरोप लगाया है कि नए नियमों के चलते छोटे व्यापारियों के सामने आर्थिक संकट की स्थिति निर्मित हो रही है। इसी के विरोध में देशभर के केमिस्ट एवं ड्रगिस्ट संगठनों ने एकजुट होकर 20 मई को एक दिवसीय बंद का निर्णय लिया है।शहपुरा नगर के दवा विक्रेता संघ ने प्रशासन को सूचित करते हुए कहा है कि बंद के दौरान तहसील क्षेत्र की अधिकांश दवा दुकानें पूरी तरह बंद रहेंगी। ऐसे में आम नागरिकोंए विशेषकर गंभीर मरीजों एवं नियमित दवा लेने वाले लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ सकता है।संघ ने प्रशासन से सहयोग की अपेक्षा जताते हुए कहा कि यह बंद पूरी तरह शांतिपूर्ण तरीके से किया जाएगा। वहीं लोगों से भी अपील की गई है कि आवश्यक दवाइयों की व्यवस्था पहले से कर लेंए ताकि बंद के दौरान किसी प्रकार की असुविधा न हो।

देवगांव माल पंचायत में भ्रष्टाचार के गंभीर आरोप

फर्जी बिल लगाकर लाखों रुपये के गबन की शिकायत

शहपुरा। जनपद पंचायत शहपुरा अंतर्गत ग्राम पंचायत देवगांव माल एक बार फिर भ्रष्टाचार और वित्तीय अनियमितताओं को लेकर चर्चा में है। ग्रामीणों ने सरपंच सचिव एवं रोजगार सहायक पर विभिन्न निर्माण कार्यों में फर्जी बिल वाउचर लगाकर लाखों रुपये की शासकीय राशि के गबन का आरोप लगाया है। ग्रामीणों ने विभागीय अधिकारियों और कलेक्टर डिंडोरी को शिकायत पत्र सौंपकर पूरे मामले की निष्पक्ष जांच और दोषियों पर कार्रवाई की मांग की है।शिकायत पत्र में कहा गया है कि पंचायत में 14वें वित्त 15वें वित्त लाइट अनटाइड पंचायत मद एवं मनरेगा योजना के तहत स्वीकृत कई निर्माण कार्यों में भारी गड़बड़ी की गई है। ग्रामीणों का आरोप है कि कई निर्माण कार्य गुणवत्ता विहीन कराए गए जबकि कुछ कार्य केवल कागजों तक सीमित रहे और मौके पर कोई निर्माण नहीं मिला।

ग्रामीणों के अनुसार पानी टंकी के पास बनाए गए सीसी रोड निर्माण कार्य में मजदूरों की जगह मशीनों का उपयोग किया गया लेकिन दस्तावेजों में मजदूरी कार्य दिखाकर अधिक राशि निकाल ली गई। इसी तरह किरसिहा नाला सरवानी नाला और स्कूल के पास पुलिया निर्माण कार्यों में भी अनियमितता के आरोप लगाए गए हैं। शिकायतकर्ताओं का कहना है कि विभिन्न वर्क आईडी के नाम पर लाखों रुपये का भुगतान किया गया लेकिन कई स्थानों पर निर्माण कार्य अधूरे मिले या केवल कागजों में दर्शाए गए।शिकायत में यह भी कहा गया है कि देवगांव स्कूल के पास दो कचरा घर निर्माण के नाम पर राशि निकाली गई जबकि मौके पर कोई निर्माण नहीं हुआ। इसके अलावा मिट्ठू आश्रम में रंगमंच निर्माण सार्वजनिक तालाब में सीढ़ी निर्माण सहित अन्य विकास कार्यों में भी फर्जी बिल लगाने और राशि के दुरुपयोग के आरोप लगाए गए हैं।ग्रामीणों ने रोजगार सहायक पर जेसीबी मशीन से शासकीय भूमि की खुदाई कर निजी उपयोग में लेने का भी आरोप लगाया है। उनका कहना है कि पंचायत में लंबे समय से फर्जी स्वीकृतियों और बिल वाउचर के जरिए शासकीय राशि का दुरुपयोग किया जा रहा है जिससे गांव का विकास प्रभावित हो रहा है।ग्रामीणों ने प्रशासन से पूरे मामले की उच्च स्तरीय तकनीकी जांच कराने दोषियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने और गबन की गई राशि की वसूली करने की मांग की है। अब देखना होगा कि प्रशासन इस गंभीर शिकायत पर क्या कार्रवाई करता है।

क्षीरधारा ग्राम योजना के तहत नांदा में शिविर आयोजित

पशुपालकों को वैज्ञानिक पशुपालन और दुग्ध उत्पादन बढ़ाने की दी गई जानकारी

डिंडौरी। कलेक्टर श्रीमती अंजू पवन भदौरिया के निर्देश एवं जिला पंचायत सीईओ दिव्यांशु चौधरी के मार्गदर्शन में मंगलवार को विकासखंड अमरपुर के ग्राम नांदा में क्षीरधारा ग्राम योजना अंतर्गत शिविर का आयोजन किया गया।शिविर में पशुपालकों को पशुपालन को लाभकारी बनाने तथा दुग्ध उत्पादन बढ़ाने के विभिन्न उपायों की जानकारी दी गई। विशेषज्ञों ने पशुओं की नस्ल सुधारए नियमित टीकाकरणए रोगों की रोकथामए संतुलित आहारए खली.चुनी एवं हरा चारा खिलाने सहित वैज्ञानिक पद्धति से पशुपालन करने के संबंध में विस्तार से जानकारी देकर ग्रामीणों को जागरूक किया।इस दौरान पशुपालन किसान क्रेडिट कार्ड ;केसीसीद्ध के 48 प्रकरण तैयार किए गए। वहीं गांव में कुल 111 पशुओं का टीकाकरण भी किया गया।कार्यक्रम में उप संचालक पशुपालन एवं डेयरी विभाग एचण्पीण शुक्लाए डॉण पुष्पेंद्र मरावीए पशु चिकित्सा विस्तार अधिकारी अमरपुर अमेक दास गवले सहायक पशु चिकित्सा क्षेत्र अधिकारी सरवन मार्को सहित स्थानीय जन प्रतिनिधि सरपंच एवं सचिव उपस्थित रहे।

चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों को नहीं मिला समयमान वेतनमान

डिंडौरी। मध्यप्रदेश लघु वेतन कर्मचारी संघ जिला शाखा डिंडौरी ने नियमित पात्र चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों को समयमान वेतनमान का लाभ नहीं दिए जाने पर जिला प्रशासन और विभागीय अधिकारियों के खिलाफ नाराजगी जताई है। संघ ने चेतावनी दी है कि मांगों का शीघ्र निराकरण नहीं होने पर धरना.प्रदर्शन और आंदोलन किया जाएगा।संघ के जिलाध्यक्ष प्रकाश सिंह चंदेल द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति में बताया गया कि जिले के विभिन्न विभागों में कार्यरत नियमित पात्र चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों को अब तक समयमान वेतनमान का लाभ नहीं मिल पाया है। उन्होंने आरोप लगाया कि संयुक्त जिला परामर्शदात्री समिति की बैठक में विभाग प्रमुखों को निर्देश दिए जाने के बावजूद जनजाति कार्य विभागए राजस्व विभाग सहित अन्य विभागों द्वारा इस संबंध में कोई कार्रवाई नहीं की गई।

हरिभूमि

नर्मदा भूमि

10

जबलपुर, बुधवार 20 मई 2026

login : www.haribhoomi.com

करेली | तेंदूखेड़ा | श्रीधाम | सालीचौका | सुआतला | गाडरवारा | राजमार्ग | साईंखेड़ा | चीचली | करकबेल

स्वास्थ्य विभाग में अनियमितताओं को लेकर युकां ने सौंपा ज्ञापन

डॉ. भनारिया द्वारा किए कार्यों की जांच कराने की मांग

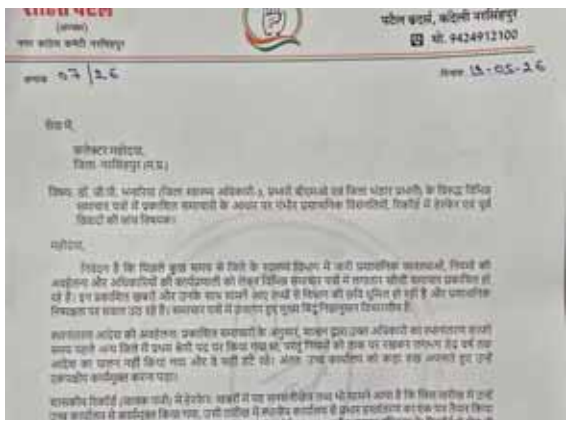

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर।

गत दिवस युवा कांग्रेस द्वारा कलेक्टर को ज्ञापन सौंपकर कार्रवाई की मांग की गई। युकां द्वारा सौंपे गए ज्ञापन मे बताया गया है कि पिछले कुछ समय से स्वास्थ्य विभाग में जारी प्रशासनिक व्यवस्थाओं में नियमों की अवहेलना की जा रही है। जिससे अधिकारियों की कार्यप्रणाली पर भी सवाल उठ रहे है। ज्ञापन मे बताया गया है कि विभाग के जिम्मेदार अधिकारियों द्वारा किए गए कार्य तथा नियमों की अंदेखी के कारण विभाग की छवि पर भी प्रभाव पड़ रहा है। विभाग की कार्यप्रणाली पर उठ रहे सवाल तथा आदेशों का पालन ना करने वाले अधिकारी कर्मचारियों पर ठोस कार्रवाई की जाए जिससे विभाग की छवि धूमिल होने से रोकी जा सके।

दस्तावेजों की हो जांच

सौंपे गए ज्ञापन में बताया गया है कि डॉक्टर गणेश प्रसाद भनारिया द्वारा शासकीय दस्तावेज अभिलेखों मे भी हेरफेर का अंदेशा है जिसके तथ्य भी सामने आये है कि जिस तिथि में उन्हें उच्च कार्यालय से कार्यमुक्त किया गया था, उसी तिथि में स्थानीय कार्यालय से स्थानांतरण का एक पत्र तैयार किया गया था। इस पत्र में जो जावक नंबर दर्ज है, वह जावक रजिस्टर के रिकॉर्ड से मेल ही नहीं खाता है। मूल रजिस्टर में उस नंबर पर किसी अन्य कर्मचारी की उपस्थिति और शासकीय अभियान की रिपोर्ट दर्ज होती है। एक ही नंबर पर दो अलग-अलग पत्राचार होना रिकॉर्ड में गंभीर हेरफेर की ओर इशारा करता है। जिसकी रिपोर्ट तत्कालीन ब्लॉक मेडिकल ऑफिसर ने भी उच्च अधिकारियों को भेजी गई थी।

डॉ भनारिया का विवादित रहा कार्यकाल

ज्ञापन मे बताया गया है कि डॉ जी पी भनारिया का कार्यकाल पूर्व से ही विवादित रहा है। उक्त अधिकारी द्वारा सहयोगी कर्मचारियों के साथ अभद्र व्यवहार कर्मचारियों से तालमेल नही खाता है तथा व्यवहार में हमेशा विवादित रहा है। पूर्व में भी एक संविदा कर्मचारी (बीपीएम) के साथ उपयोगिता प्रमाण पत्र पर हस्ताक्षर करने की बात को लेकर इनका विवाद हुआ था जिसमें कर्मचारी को नौकरी से निकालने की धमकी और मानसिक प्रताड़ना के आरोप सीधे तौर पर लगाए गए थे। इस व्यवहार के विरोध मे संविदा स्वास्थ्य कर्मचारी संघ को सामूहिक रूप से मोर्चा के विरोध पत्र सौंपा गया था। ऐसे अधिकारी का स्थानांतरण शासन स्तर पर होने के बाद भी जिले से ना जाना चिंता का विषय है तथा प्रशासन की कार्यप्रणाली पर भी सवाल खड़े कर रहा है।

कार्य मे लापरवाही का अंदेशा

ज्ञापन मे उल्लेख किया गया है कि डॉ जीपी भनारिया द्वारा कार्यालय संचालन हेतु विभागीय कर्मचारियों का पर्याप्त व्यवस्थाए ना देने की भी बात सामने आई है जिसमें कर्मचारियों को कार्यालय उपयोग के लिए आवश्यक सामग्री कार्यालय स्टाफ को उपलब्ध नही कराई गई। जबकि सरकार द्वारा उक्त सामग्री क्रय करने के लिए पर्याप्त वजट भी दिया गया था लेकिन पद का दुरूपयोग करते हुए कर्मचारियों को आवश्यक सामग्री क्रय करने के लिए प्रस्ताव भी नही दिया गया है कर्मचारियों को प्रताड़ति का कार्य भी किया गया तथा कार्य मे भी बाधा उत्पन्न हुई। उक्त कार्य से प्रतीत होता है कि डॉ भनारिया द्वारा कार्य मे भी लापरवाही की गई है वही शासन स्तर पर स्थानांतरण होने के बाद भी जिले से बाहर ना जाना और स्थानांतरण पर रोक लगावाने पर सफल रहे। उक्त कार्य से प्रतीत होता है कि प्रदेश के अन्य जिले मे ऐसा भ्रष्टाचार करने नही मिलेगा जिस कारण से जिले से मोह नही छूट पाया।

जिम्मेदार अधिकारी की रही मेहरबानी

ज्ञात हो कि डॉ भनारिया का स्थानांतरण होने के बाद जिले से बाहर ना जाना तथा कर्मचारियों से विवाद करना, धमकी देना, कागजों में हेरफेर करने के आरोपों के बावजूद उक्त अधिकारी पर लगातार जिम्मेदार अधिकारी द्वारा मेहरबानी दिखाई जा रही है। वर्तमान में उन्हें जिला स्वास्थ्य अधिकारी-3, मुख्य खंड चिकित्सा अधिकारी (बीएमओ) और जिला भंडार प्रभारी जैसे तीन-तीन अति-महत्वपूर्ण पद सौंप दिए गए हैं। सबसे गंभीर बात यह है कि उन्हें बीएमओ पद का प्रभार उसी अधिकारी को हटाकर दिया गया है, जिन्होंने उनके रिकॉर्ड की गड़बड़ियों की शिकायत आला अफसरों से की थी। युवा कांग्रेस द्वारा ज्ञापन सौंप कर ठोस कार्रवाई की मांग की गई है अब देखना होगा कि प्रशासन द्वारा क्या कार्रवाई की जाती है। उक्त अवसर पर रोहित पटेल, अतुल चैरसिया, आजाद खान, शुभम सिंह ठाकुर, अमित श्रीवास्तव, विवेक पटेल, शिवम पाठक, ईशान राय आदि मौजूद रहे।

खबर संक्षेप

सुप्रसिद्ध कथा वाचक विपिन बिहारी महाराज के मुखारविंद से 24 मई से श्रीमद्भागवत कथा

गोटेगांव। ग्राम भंडारी में 24 मई से 30 मई तक भव्य संगीतमय श्रीमद्भागवत कथा का आयोजन किया जा रहा है। कथा का वाचन बुंदेलखंड के सुप्रसिद्ध कथा व्यास, आचार्य गोपीठाधीश्वर महंत श्री 108 विपिन बिहारी महाराज के मुखारविंद से होगा।आयोजन समिति के अनुसार कथा का शुभारंभ 24 मई को भव्य शोभायात्रा के साथ होगा, जो गांव के विभिन्न मार्गों से होकर कथा स्थल तक पहुंचेगी। प्रतिदिन पूजन-पाठ का समय सुबह 8 बजे से 11 बजे तक तथा कथा प्रवचन का समय शाम 4 बजे से 7 बजे तक निर्धारित किया गया है।30 मई तक कथा प्रवचन होंगे, जबकि 31 मई को विशाल भंडारे का आयोजन किया जाएगा।आयोजन समिति ग्राम भंडारी, भाडी, मनकवारा सहित समस्त ग्रामवासियों एवं क्षेत्रवासियों से कथा में शामिल होकर धर्म लाभ लेने की अपील की है।

महिला पर कुल्हाड़ी से जानलेवा हमला

गोटेगांव। ठेमी थाना क्षेत्र के ग्राम मकवारा में जमीनी विवाद के चलते 24 वर्षीय महिला पर कुल्हाड़ी से हमला किए जाने का मामला सामने आया है।पीड़िता रश्मि ने वीरेंद्र, महेंद्र और अन्य लोगों पर मारपीट का आरोप लगाया है। हमले में महिला के चेहरे पर गंभीर चोटें आई हैं।घायल महिला को उपचार के लिए जिला चिकित्सालय में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने शिकायत के आधार पर मामले की जांच शुरू कर दी है।

अज्ञात वाहन की टक्कर से मोटर साइकिल सवार मां-बेटा घायल

गोटेगांव। थाना क्षेत्र के कमती इमलिया के पास एक अज्ञात वाहन ने मोटरसाइकिल को टक्कर मार दी, जिससे ग्राम बगासपुर निवासी कौशल्या और उनका पुत्र घायल हो गए।बताया जा रहा है कि दोनों नरसिंहपुर जिला चिकित्सालय में भर्ती एक परिचित से मिलने जा रहे थे। दुर्घटना के बाद उन्हें तत्काल उपचार के लिए जिला चिकित्सालय नरसिंहपुर भेजा गया, जहां उनका इलाज जारी है।पुलिस ने अज्ञात वाहन चालक के विरुद्ध मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

जनसुनवाई में आये 123 आवेदन

नरसिंहपुर। कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह की अध्यक्षता में मंगलवार को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में जनसुनवाई आयोजित की गई। जनसुनवाई में आवेदकों ने विभिन्न विषयों से संबंधित आवेदन पत्र प्रस्तुत किए। जनसुनवाई में विभिन्न समस्याओं से संबंधित कुल 123 आवेदन पत्र प्राप्त हुए। कलेक्टर श्रीमती सिंह ने जनसुनवाई में प्राप्त आवेदनों का तत्काल निराकरण किया। जिन आवेदन पत्रों का तत्काल निराकरण नहीं हो सका, उन आवेदन पत्रों को निर्धारित समय सीमा में निराकरण करने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए।

प्रांतीय शिशु वाटिका सामान्य दक्षता प्रकटोत्सव समारोह संपन्न

नरसिंहपुर। सरस्वती शिक्षा परिषद महाकौशल प्रांत के मार्गदर्शन में स्थानीय सरस्वती शिशु उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में आयोजित प्रांतीय शिशु वाटिका सामान्य दक्षता प्रशिक्षण वर्ग प्रकटोत्सव समारोह का आयोजन डॉक्टर नमिता साहू प्राध्यापक स्वामी विवेकानंद महाविद्यालय नरसिंहपुर की अध्यक्षता में तथा श्रीमती संतोषी सोनी प्रांत शिशु वाटिका सह संयोजक, श्रीमती कुमुद रानी दुबे वर्ग संयोजक प्रभात सिंह प्रांत व क्षेत्र वर्ग संयोजक शिशु वाटिका व्यवस्थापक धर्मेंद्र सिंह ममार, जिला सचिव व गोटेगांव व्यवस्थापक राजकुमार जैन, संस्था उपाध्यक्ष संजय दुबे, सुनील कोठारी, थम्मन शर्मा, महंत पीतमपुरी, जय नारायण शर्मा ,आर. एस. शर्मा मातृशक्ति श्रीमती संध्या कोठारी ,श्रीमती भारती कौरव, श्रीमती प्रवीणा गोस्वामी संस्था प्राचार्य आनंद मोहन कुर्मी, नर्मदा प्रसाद गुप्ता, प्रभारी प्रधानाचार्य तुलसीराम पाराशर राजेंद्र पटेल की उपस्थिति में किया गया।

प्रभु भक्ति ही जीवन की उलझनों का एकमात्र समाधान: कथा व्यास

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। <

स्थानीय खैरी नाका स्थित विंध्य सिटी गार्डन में सात दिवसीय संगीतमय श्रीमद् भागवत महापुराण कथा का भव्य आयोजन किया जा रहा है। कथा व्यास पंडित आशीष दुबे द्वारा प्रतिदिन सायं 3 बजे से प्रभु इच्छा तक श्रद्धालु भक्ति रस का पान कराया जा रहा है। कथा व्यास द्वारा भगवान की लीलाओं का वर्णन करते हुए बताया कि जीवन के मर्म को बेहद सरल और अनूठे उदाहरण के साथ समझाते हुए उन्होंने कहा जिस तरह महिलाएं अपने बालों की उलझन को दूर करने के लिए शैम्पू और कंडीशनर का उपयोग करती हैं, ठीक उसी तरह मनुष्य को अपने जीवन की उलझनों और तनाव से मुक्ति पाने के लिए प्रभु भक्ति और राम नाम रूपी कंडीशनर का सहारा लेना चाहिए। राम नाम की शक्ति में ही पूरा ब्रह्मांड समाहित है, जो हर उलझन को सुलझा सकती है। आगे कहा कि सामाजिक कुरीतियों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि आज का इंसान दूसरों से ईष्या (जलन) करने के कारण ज्यादा परेशान है। जो व्यक्ति ईर्ष्या की आग में जलता रहता है, वह कभी भी एकाग्र होकर ईश्वर की भक्ति में लीन नहीं हो सकता। इसलिए यदि जीवन को कृतार्थ करना है, तो ईष्या का त्याग कर प्रेम और भक्ति का मार्ग अपनाना होगा। कथा श्रीमती अनुसुईया एवं इमरत लाल साहू द्वारा धर्मलाभ लेने की अपील की है। उक्त कथा 23 मई तक चलेगी। इस अवसर पर श्रीमती सुमन प्रदीप साहू, श्रीमती जया सुदीप साहू, पुरुषोत्तम साहू, राजेश साहू, संतोष साहू, राजा साहू सहित बड़ी संख्या मे श्रद्धालु उपस्थित रहे।

कृत्रिम गर्भाधान करने वाले एव्हीएफओ और गौसेवक सम्मानित

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। पशुपालन विभाग नरसिंहपुर के अंतर्गत कृत्रिम गर्भाधान केंद्र में वर्ष 2025-26 के अंतर्गत नस्ल सुधार कार्यक्रम में उत्कृष्ट कार्य करने वाले सहायक पशु चिकित्सा क्षेत्र अधिकारी और गौसेवक (मैत्री) के लिए सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में सर्वाधिक कृत्रिम गर्भाधान (ए.आई.) करने वाले कार्यकर्ताओं को प्रशस्ति पत्र और शील्ड प्रदान कर सम्मानित किया गया। नस्ल सुधार कार्यक्रम में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए एव्हीएफओ धनराज मरकाम ने जिले में सर्वाधिक कार्य कर प्रथम स्थान प्राप्त किया। उन्होंने वर्षभर में 943 कृत्रिम गर्भाधान किए, जिसमें 89 सॉर्टेड सीमेन द्वारा की गई ए.आई. शामिल हैं। उनके इस योगदान के लिए उपसंचालक डॉ. सुनील बृजपुरिया ने उन्हें शील्ड और प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। इसी प्रकार रजनीश गढ़ेवाल ने 672 (ए.आई.) करके द्वितीय और एव्हीएफओ रोहित मेहरा ने 616 (ए.आई.) करने तृतीय स्थान स्थान प्राप्त किया। एबीपीओ डॉ. एम.पी. तिवारी ने प्रशस्ति पत्र देकर प्रोत्साहित किया गया। इस अवसर पर वरिष्ठ अधिकारी, चिकित्सक और बड़ी संख्या में मैदानी कार्यकर्ता मौजूद थे।

व्यापारियों से अवैध वसूली और निर्माण कार्य में गड़बड़ी की निष्पक्ष जांच की मांग

ईओडब्ल्यू की कार्रवाई के बाद खुले कई राज, दुकान शेड निर्माण और रंगाई-पुताई के नाम पर बंदरबांट का आरोप किसानों और व्यापारियों में आक्रोश

तेंदूखेड़ा। क्षेत्र में इन दिनों प्रशासनिक और विभागीय भ्रष्टाचार के मामले लगातार तूल पकड़ रहे हैं। हाल ही में अनुभाग स्तर के एक प्रमुख कार्यालय में आर्थिक अपराध प्रकोष्ठ (EOW) की टीम द्वारा रीडर बाबू को रंगे हाथों रिश्वत लेते रंगे हाथों दबोचे जाने के बाद से हड़कंप मचा हुआ है। इस कार्रवाई के बाद यह चर्चा जंगल की आग की तरह फैल गई है कि कार्यालय में लंबे समय से भ्रष्टाचार का एक बड़ा खेल चल रहा था। स्थानीय लोगों का कहना है कि यदि किसी अधिकारी के शुरुआती कार्यकाल में ही इस स्तर का भ्रष्टाचार पनप रहा था तो आगे स्थिति और कितनी भयावह होती।

मंडी कर्मचारियों के माध्यम से व्यापारियों से वसूली का आरोप- ईओडब्ल्यू की इस कार्रवाई के बाद तेंदूखेड़ा कृषि उपज मंडी भी सुर्खियों में आ गई है। क्षेत्र में यह चर्चा जोरों पर है कि जब से संबंधित अधिकारी को भारसाधक का प्रभार मिला था तभी से मंडी में घोष विक्रय की आड़ में लाइसेंसधारी व्यापारियों को नाजायज रूप से परेशान किया जा रहा था। जांच करने और लाइसेंस रद्द करने की धमकी देकर तेंदूखेड़ा मंडी सीमा मदनपुर राजमार्ग और डोभी तक का कोई भी व्यापारी शोषण से अछूता नहीं रहा।

आरोप है कि मंडी में वर्षों से जमे कुछ कर्मचारियों की मिलीभगत से खुलेआम अवैध राशि के लिफाफे पहुंचाए जा रहे थे। नाम न छापने की शर्त पर एक व्यापारी ने बताया पिछले दो तीन महीनों में व्यापारियों का जिस तरह से मानसिक और आर्थिक शोषण हुआ है । वैसा पहले कभी नहीं देखा गया। आगामी सीजन में व्यापार प्रभावित होने के डर और मंडी प्रशासन की कार्रवाई के खौफ के कारण हम चुप रहने को मजबूर थे। क्योंकि हमारी सुनने वाला कोई नहीं था। स्थानीय नागरिकों और व्यापारियों ने इस पूरे सांठगांठ की निष्पक्ष उच्चस्तरीय जांच कराने की मांग की है।

घटिया निर्माण दुकान शेड की गुणवत्ता पर उठे सवाल- मंडी परिसर में स्थानीय बेरोजगार युवाओं को रोजगार उपलब्ध कराने के उद्देश्य से दुकान शेड का निर्माण कराया जा रहा है। आरोप है कि युवाओं से जिस अनुपात में राशि ली गई है। उस स्तर का निर्माण कार्य नहीं किया जा रहा है। निर्माण कार्य में गुणवत्ता की भारी अनदेखी की जा रही है। गौरतलब है कि पूर्व में क्षेत्रीय विधायक ने भी मौके का मुआयना कर निर्माण कार्य की घटिया गुणवत्ता को लेकर वरिष्ठ अधिकारियों को कड़े निर्देश दिए थे। इसके बाद काम तो दोबारा शुरू हुआ। लेकिन अब दुकानों पर लेंटर डलने से पहले ही घटिया निर्माण को छिपाने के लिए आनन फानन में प्लास्टर (छपाई) का काम शुरू कर दिया गया है। इसे लेकर क्षेत्र के युवाओं और प्रबुद्ध जनों में भारी आक्रोश है। उन्होंने मांग की है कि दुकानों के आवंटन और निर्माण की गुणवत्ता की तत्काल जांच की जाए।

रखरखाव और पुट्टी के नाम पर लाखों का खेल- कृषि उपज मंडी में वित्तीय अनियमितताओं का एक और बड़ा मामला सामने आ रहा है। ग्रामीणों और किसानों का कहना है कि यह मंडी केवल सीजन के समय ही (हफ्ते-पंद्रह दिन) गुलजार रहती है लेकिन यहाँ से टैक्स के रूप में लाखों रुपये की आय प्रदर्शित की जाती है।इस राशि का उपयोग किसानों के हित में करने के बजाय केवल कागजों और दिखावे के लिए शेड सुधार पेंचवर्क तथा रंगाई पुताई (पुट्टी) के नाम पर लाखों रुपये के टेंडर जारी कर दिए जाते हैं। क्षेत्र के किसानों ने आरोप लगाया है कि हाल ही में मंडी से विभिन्न संदिग्ध कार्यों के भुगतान जारी किए जा रहे हैं। कृषकों ने पुरजोर मांग की है कि जब तक इन सभी निर्माण व संधारण कार्यों की मौके पर भौतिक जांच नहीं हो जाती। तब तक किसी भी प्रकार का भुगतान न रोका जाए और दोषियों पर सख्त कार्रवाई की जाए।सबसे बड़ा सोचनीय विषय यहां पर यह और बना हुआ है कि उक्त ठेकेदार को जो समय सीमा मिली थी वह बीत चुकी है। छः माह और ज्यादा हो गया है।

इनका कहना है

दुकान शेड निर्माण कार्य कर रहे संबंधित ठेकेदार को बोला गया है कि पहले लेंटर करवाओ बाद में छाप होगी।आऊटर और बीच में छाप शुरू कर दी गई थी जिसे बंद करवा दिया है।साथ ही पुट्टी पुताई वाले ठेकेदार को भी नोटिस जारी किया गया है बरसात के कारण पुट्टी गिरने की बजह बताई जा रही थी। लेकिन फिर से टचिंग करने कहा गया है।जब तक काम सही तरीके से नहीं किया जायेगा ।

विकास मरकाम
इंजीनियर कृषि उपज मंडी
तेंदूखेड़ा

कलेक्टर ने ली उपार्जन समिति की बैठक

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह ने जिला उपार्जन समिति के सदस्यों एवं राजस्व अधिकारियों की बैठक ली। उन्होंने गेहूं, चना एवं मसूर उपार्जन में सम्पूर्ण नियंत्रण रखने के सख्त निर्देश दिए हैं। जिला प्रबंधक मध्यप्रदेश स्टेट सिविल सप्लाईज कार्पोरेशन को निर्देश दिए हैं कि जिले के विभिन्न 20 खरीदी केन्द्रों में ट्रकों के माध्यम से परिवहन के लिए एक लाख 25 हजार क्विंटल गेहूं उपार्जन केन्द्रों में रखा हुआ है। प्रतिदिन कम से कम 100- 100 ट्रक लगवाकर उक्त मात्रा का शीघ्र परिवहन कराना सुनिश्चित कराएं। उपायुक्त सहकारिता को निर्देशित किया गया कि खरीदी केन्द्रों में पर्याप्त हम्मालों एवं तौल-कांटे की व्यवस्था सुनिश्चित कराएं, जिससे त्वरित गति से उपार्जन का कार्य सम्पादित हो सके। कलेक्टर ने अधिकारियों को निर्देशित किया है कि किसी भी स्थिति में उपार्जन कार्य में गड़बड़ी या अनियमितताएं बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

शराब कारोबारी अपहरण मामला: तीन आरोपियों की जमानत रद्द, 19 मई तक आत्मसमर्पण के आदेश

गोटेगांव।

करकबेल में 2 मई को शराब कारोबारी प्रदीप कौरव के अपहरण और मारपीट के मामले में न्यायालय ने तीन आरोपियों की जमानत निरस्त कर दी है।गोटेगांव की न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी साक्षी शुक्ला ने जिला पुलिस की याचिका स्वीकार करते हुए आरोपी सागर, भरत और अभिषेक को 19 मई तक न्यायालय में आत्मसमर्पण करने के आदेश दिए हैं।पुलिस द्वारा प्रस्तुत अर्जी में बताया गया कि पीड़ित की मेडिकल रिपोर्ट में गंभीर चोटों की पुष्टि हुई है, जिसके आधार पर प्रकरण में आजीवन कारावास के प्रावधान वाली नई धारा जोड़ी गई है। पुलिस ने यह भी बताया कि मामले के दो मुख्य आरोपी अब भी फरार हैं। प्रकरण की गंभीरता को देखते हुए न्यायालय ने तीनों आरोपियों की जमानत निरस्त कर दी।

न्यायालय तहसीलदार वृत्त.02
नरसिंहपुर म.प्र.
रा.मा.क./अ-6/2026-27
पेशी दिनांक-22/05/26
श्रीमति सुगंधी बाई लोधी पति श्री राजेश लोधी निवासी ग्राम बरखेडा तह. व जिला नरसिंहपुर
वनाम
आम जनता

आम सूचना

इस न्यायालय में आवेदिका सुगंधी बाई लोधी पति राजेश लोधी ने मौजा बरखेड़ा प.ह.नं. 51 रा.नि.म. नरसिंहपुर 02 तह. व जिला नरसिंहपुर स्थित ख.नं. 19/1/1 रकबा 0.295 हे., ख.नं. 186/4/1 रकबा 0.758 हे. जुमला रकबा 1.053 हे. भूमि पर वसीयतनामा के आधार पर नामांतरण किये जाने हेतु आवेदन प्रस्तुत किया गया है। उक्त प्रकरण इस न्यायालय में सुनवाई हेतु विचाराधीन है। जिसकी पेशी दिनांक 22/05/26 को नियत है। उक्त वसीयत के आधार पर नामांतरण में जिस किसी को आपत्ति हो या उक्त प्रकरण में कोई व्यक्ति अपना हित रखता हो तो वह पेशी दिनांक 22/05/26 को इस न्यायालय के समक्ष स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से उपस्थित होकर अपना पक्ष रखें। पेशी उपरांत प्रकरण में अग्रिम कार्यवाही की जावेगी।

नोट . यदि दिनांक 22/05/26 को किसी परिस्थितिवश अवकाश घोषित किया जाता है तो दूसरे दिन प्रकरण में कार्यवाही की जावेगी।

मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की पदमुद्रा से जारी

(सील)

तहसीलदार
नरसिंहपुर